



बिहार में वज्रपात से तीन लोगों की मौत

आज इन जिलों में बारिश का अलर्ट जानिए मौसम का हाल

पटना, बिहार का मौसम सुहाना बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में पटना, गया, जहानाबाद समेत कई इलाकों में बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी। रात में तो लोगों को गुलाबी ठंड का एहसास हुआ। इतना ही नहीं पिछले 24 घंटे में वज्रपात के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बक्सर, गया और रोहतास में तीन लोगों मौत हो गई। इधर, मौसम विभाग ने आज 15 जिलों में बारिश का

अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में पटना, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, मुंगेर, रोहतास में अगले एक से तीन घंटे में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं।

अगले 24 घंटे तक बारिश के आसार हैं

पटना मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो अगले 24 घंटे में बिहार का

अधिकतम तापमान 25 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। कई जिलों में पछुआ हवा की गति मध्यम से तेज हो सकती है, जिससे सुबह और शाम हल्की ठंडक का एहसास होगा। पश्चिमी विक्षोभ के असर से बिहार के विभिन्न हिस्सों में अगले 24 घंटे तक बारिश के आसार हैं। इससे तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। इन जिलों में बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, 21 और 22 मार्च को बिहार के पटना, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बांका, जमुई, भागलपुर, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, समस्तीपुर जिलों बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 फीसदी क्षेत्र में बारिश का असर हो सकता है और हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है।

पटना से दिल्ली जा रही वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

चलती ट्रेन पर फेंके गए पत्थर यात्रियों में मचा हड़कंप

बिहार की राजधानी पटना से दिल्ली जा रही वंदे भारत ट्रेन में पथराव की सनसनीखेज घटना सामने आई। जानकारी के मुताबिक यह हमला उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में जसवंतनगर और बलरई स्टेशन के बीच हुआ है। जब ट्रेन धीमी गति से गुजर रही थी, तभी असामाजिक तत्वों ने अचानक पत्थर फेंकने शुरू कर दिए।

बताया जा रहा है कि, घटना की सूचना मिलते ही रेलवे कंट्रोल रूम को सतर्क कर दिया गया। ट्रेन को अलीगढ़ स्टेशन पर रोका गया, जहां रेलवे सुरक्षा बल ने जांच-पड़ताल



की। इधर,प्रयागराज मंडल के PRO अमित कुमार सिंह ने बताया कि पथराव की इस घटना के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ इटावा में

मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

भर्ती; बेगूसराय में दनादन फायरिंग

केंद्रीय मंत्री राज भूषण निषाद के मामा को मारी गोली

बेगूसराय में अपराधियों का तांडव लगातार देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर बेखोफ अपराधियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री और मुजफ्फरपुर के सांसद राज भूषण निषाद के मामा को गोली मार दी है। गोली लगने मंत्री के मामा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है। घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव की है। घायल व्यक्ति की पहचान कुंभी गांव के रहने वाले मलिक साहनी के रूप में की गई है। मलिक साहनी ने सदर अस्पताल में इलाज कराते हुए

बताया- बीती रात अपनी दुकान पर थे। जब दुकान बंद कर लौट रहे थे, तभी हथियार से लैस अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग झोंक दी। भागने-बचने की पूरी कोशिश के बावजूद एक गोली पैर में लग गई। गोली लगते ही बेहोश होकर वहीं पर गिर गया तो अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। पिछले दिन मेरे पुत्र के साथ किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद हुआ था, लगता है कि इसी विवाद के कारण अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। चेरिया बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो घटनास्थल से गोलियों के कई

खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस आगे की जांच कर रही है।
तीन अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार
घटना के संबंध में बेगूसराय एसपी मनीष कुमार ने बताया है कि चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव में केंद्रीय राज्य मंत्री के रिश्तेदार मामा को गोली मारकर अपराधियों ने घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को हिरासत में लिया है। एसपी मनीष कुमार ने बताया कि उन अपराधियों के पास से पुलिस ने हथियार भी बरामद किया है। फिलहाल तीनों अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

दर्दनाक हादसे में युवक की मौत

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

बिहार में गाड़ियों की तेज रफ्तार की चपेट में आकर असमय ही लोग मौत के शिकार हो रहे हैं। ताजा घटना बेगूसराय से सामने आई है, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना बलिया थाना क्षेत्र के मानसरोवर होटल के समीप एनएच 31 की है।

बताया जा रहा है कि चौकी गांव निवासी रामाशीष राम का 28 वर्षीय बेटा विकास कुमार जिओ कंपनी में काम करता है। गुरुवार की शाम कंपनी का काम खत्म कर विकास कुमार अपनी बाइक से अपने घर चौकी गांव लौट रहा था। लौटने के दौरान बलिया थाना क्षेत्र के एन एच 31 पर तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस के द्वारा परिजनों को दी गई जिसके बाद परिजन सदर अस्पताल पहुंचे हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि रोज की तरह बेगूसराय में जिओ कंपनी में काम कर अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान बलिया में तेज रफ्तार ट्रक ने उसे ठोकर मार दी



जिससे इलाज के लिए ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

वहीं इस घटना में एक और बाइक सवार घायल हो गया है। घायल की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरदिया के रहने वाले कमलेश प्रसाद सिंह का बेटे रामानंद सिंह के रूप में किया गया है। घटना की सूचना पर बलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंचे शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है।

हवाई यात्राओं के मामले में भी नई उड़ान भर रहा बिहार

दो दशक में 6 गुना बढ़ी आवाजाही, 17 गुना बढ़े यात्री

पटना, बिहार की गिनती पिछड़े राज्यों में होती थी। यहां के लोगों के लिए विमान का सफर भी आसान नहीं था। लेकिन पिछले दो दशकों में बिहार में हवाई सेवाओं में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। सूबे में हवाई संपर्क, बुनियादी ढांचे और आर्थिक गतिविधियों में जोदार वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य अब हवाई यातायात के मानचित्र पर कहीं अधिक मजबूत स्थिति में खड़ा है।

2005-06 में कुल 4,788 विमानों की आवाजाही

बता दें कि साल 2005 में बिहार में केवल पटना और गया हवाई अड्डों से उड़ानें संचालित होती थीं। आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2005-06 में बिहार के हवाई अड्डों से कुल 4,788 उड़ानों की आवाजाही हुई थी और लगभग 2.48 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की थी। वहीं, 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 29,614 उड़ानों की आवाजाही और 42.86 लाख यात्रियों तक पहुंच गया। यह क्रमशः लगभग 6 गुना और 17 गुना की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि बिहार में हवाई कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास का एक स्पष्ट संकेत है। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मार्गदर्शन और समन्वय में कार्य कर रही है। राज्य संसाधनों से हवाई अड्डों के विस्तार के लिए भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण आवश्यक बुनियादी ढांचे, जिसमें टर्मिनल भवन भी शामिल हैं, का विकास कर रहा है। हमारा संकल्प है कि राज्य में कोई भी स्थान हवाई अड्डे से 200 किलोमीटर से अधिक दूर न हो। मुख्य सिविल एन्क्लेव, बिहार के उत्तरी क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण हवाई अड्डा है, जो भारतीय वायु सेना के स्टेशन में स्थित है। इस हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत 8 नवंबर 2020 को हुई। इसे केंद्र सरकार की उड़ान (छह) योजना के तहत विकसित किया गया, जिसका उद्देश्य देश के छोटे शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ना है। शुरुआत में दरभंगा से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू की गईं। पहले ही वर्ष में यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और यह एयरपोर्ट बिहार के प्रमुख हवाई अड्डों में शामिल हो गया।

वर्ष 2023-24 में यहां से 3,335 उड़ानों की आवाजाही और 5.26 लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन हुआ, जो इसके तीव्र विकास को दर्शाता है। आज दरभंगा एयरपोर्ट मिथिलांचल और उत्तर बिहार के लोगों के लिए एक अहम हवाई संपर्क केंद्र बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इस हवाई अड्डे का विस्तार किया जा रहा है ताकि बड़े विमानों का संचालन सुगमता से हो सके। बिहार कैबिनेट द्वारा 90 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण के लिए 245 करोड़ की स्वीकृति 10 जनवरी 2025 को प्रदान की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य दरभंगा हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित करना है।

अन्य हवाई अड्डों का विकास

बिहार में हवाई संपर्कता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों और स्वीकृत परियोजनाओं के तहत बिहार के विभिन्न हवाई अड्डों के विकास की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

1. रक्सौल ब्राउनफील्ड हवाई अड्डा
स्वीकृति बिहार कैबिनेट द्वारा 10 जनवरी 2025 को 139 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को 2207 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई। यह हवाई अड्डा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (डि) के अधीन है और डि द्वारा ही विकसित किया जाएगा।

2. बीरपुर हवाई अड्डा (सुपौल)
स्वीकृति बिहार कैबिनेट द्वारा 4 फरवरी 2025 को 88.83 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को 242.37 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई। यह हवाई अड्डा उड़ान योजना के तहत विकसित किया जाएगा।

3. पूर्णिया सिविल एन्क्लेव
विकास कार्य पूर्णिया एयरपोर्ट (चूनापुर) के विकास को लेकर तेजी से कार्य हो रहा है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क को मजबूती मिलेगी। पूर्णिया शहर से एयरपोर्ट तक बेहतर पहुँच के लिए बिहार सरकार ने गोआसी से चूनापुर के बीच चार लेन सड़क परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना से यात्रियों के लिए एयरपोर्ट तक सुगम और तेज आवाजाही संभव होगी।

इसका कुल बजट ₹14,86,21,000 है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (डि) द्वारा अंतरिम सिविल एन्क्लेव के निर्माण का कार्य मार्च 2025 में शुरू कर दिया गया है। वहीं, एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य भवन निर्माण विभाग द्वारा दिया गया है और उसका कार्य भी मार्च 2025 में आरंभ हो चुका है।

यह परियोजना पूर्णिया और आसपास के क्षेत्रों के लिए हवाई संपर्क को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

4. बिहटा सिविल एन्क्लेव

परियोजना स्वीकृति एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 459.99 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य का ऑर्डर दिया है। यह एयरपोर्ट निर्माण कार्य 2027 के अंत तक पूरा किया जाएगा।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री दबाव अधिक है। बिहटा एयरपोर्ट इसके वैकल्पिक समाधान के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इस एयरपोर्ट से, -321, B-737-800, -320 जैसे बड़े विमानों का संचालन संभव होगा। नया टर्मिनल, यूटिलिटी बिल्डिंग, एयरसाइड रोड, टैक्सीवे, एयरफील्ड सिस्टम, सुरक्षा सिस्टम आदि शामिल होंगे। इससे बिहार को औद्योगिक और आर्थिक रूप से नई ऊंचाइयों मिलेंगी, और इमरजेंसी में उपयोगी होगा।
छोटे हवाई अड्डों का विकास
राज्य सरकार के स्वामित्व वाले भागलपुर, वाल्मीकिनगर, बीरपुर, मधुबनी, मुंगेर और सहरसा हवाई अड्डों के साथ-साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (डि) के मुजफ्फरपुर हवाई अड्डे को उड़ान योजना के तहत विकसित करने के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं विकास का उद्देश्य इन हवाई अड्डों को 19 सीटों तक की क्षमता वाले छोटे विमानों के संचालन के लिए तैयार किया जाएगा। बिहार सरकार ने 13 जनवरी 2025 को इन हवाई अड्डों के विकास हेतु अपनी सहमति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 19 फरवरी 2025 को हुई परियोजना मूल्यांकन समिति की बैठक में उपरोक्त 7 हवाई अड्डों के विकास को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है।

राष्ट्रगान गाए जाने के बीच मंच से उतरे नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बृहस्पतिवार को पटना में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप- 2025 के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रगान गए जाने की घोषणा के बीच अचानक मंच से उतर गए और प्रतिभागियों से मिलने के बाद शुरू हुए राष्ट्रगान में शामिल हुए। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप 2025 में 300 खिलाड़ियों और 20 देशों के सहायक कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस ट्रनिमेंट के उद्घाटन समारोह में अपने अन्य कैबिनेट सहयोगियों और अधिकारियों के साथ शामिल हुए। उनके मंच पर बैठने के बाद



बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने

राष्ट्रगान के लिए सबसे खड़े होने का जैसे ही आग्रह किया, तभी

अचानक मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी से उठकर मंच के नीचे उतरे और

प्रतिभागियों से मिलने लगे।
राष्ट्रगान गाए जाने के बीच मंच से उतरे नीतीश कुमार

इस अवसर पर 74 वर्षीय कुमार ने प्रतिभागियों को हाथ जोड़कर “नमस्ते” किया और हवा में हाथ लहरा कर उनका अभिवादन किया। इस मौके पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था और मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर मंच के सामने मौजूद लोगों को प्रणाम करते दिख रहे हैं।
तेजस्वी यादव ने शेरार किया वीडियो
इस दौरान प्रधान सचिव हाथ से इशारा कर नीतीश को राष्ट्रगान के दौरान चुप रहने के

और राष्ट्रगान गाया गया और इस दौरान मुख्यमंत्री अन्य लोगों के साथ मंच पर खड़े दिखे। सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम का कथित वीडियो प्रसारित हुआ है। वीडियो में राष्ट्रगान गाये जाने के दौरान मुख्यमंत्री मुस्कराते हुए बगल में खड़े अपने प्रधान सचिव दीपक कुमार के कंधे पर हाथ रखकर उनसे कुछ कहते और फिर हाथ जोड़कर मंच के सामने मौजूद लोगों को प्रणाम करते दिख रहे हैं।
तेजस्वी यादव ने शेरार किया वीडियो
इस दौरान प्रधान सचिव हाथ से इशारा कर नीतीश को राष्ट्रगान के दौरान चुप रहने के

लिए कहते नजर आ रहे हैं। कुमार के धुर विरोधी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके बेटे एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उक्त वीडियो साझा करते हुए ‘एक्स’ पर लिखा, “‘राष्ट्रगान का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है।’” बिहार में पहली बार सेपक टकरा विश्वकप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में 20 देशों के 300 से अधिक खिलाड़ी और प्रशिक्षक हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता 20 से 25 मार्च तक पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित की गई है।